तर्ज--चिंगारी कोई भड़के

तेरा प्रीतम तुझपे फिदा है,मेरी रूह तू क्यूं घबराये
गम इससे भी आयें भारी,हंस के अपनाए

1--माया भी देखी सारी,और खेल भी देखा सारा
प्रीतम से बिछोड़ा इसने,है तमाशा बनाया हमारा
बन कर दर्शक थे आये,और आकर नायक बन गये
अफसोस है ऐसी अकल पे जो काम ना आये

2--यहां केवल चमक दमक है,कोई मत सौदा करना
यह भूल भूलैंया की नगरी,आगे मत पांव को धरना
जितना आगे को बढ़ाना,उतना निजघर से पिछड़ना
गर अब भी भटक गये राह से तो मुश्किल हो जाये

3--यह लाड तो है दिलबर का,दिलदार ने दिल से दिया है
चाहे दुख का हो दरिया,बड़े यत्न से हमने लिया है
बड़े प्यार से उसे निभाना,यह ही इम्तहान हमारा

Nijanand App